ToB बालमंच

मासिक नवम्बर- 2023 नन्हीं कलम से .... ✍

दिपावली विशेषांक

इस अंक में पढ़ें

बिना लार के भोजन में स्वाद का पता नहीं चलता, क्यों ?

क्रिएटिव डिजाइनर सह सम्पादक :- त्रिपुरारि राय

म. वि. रौटी, महिषी (सहरसा)

प्रधान संपादिका :- रूबी कुमारी

उ. म. वि. सरौनी, बौंसी (बाँका)

अंक- 32

प्रधान संपादिका के कलम से.....

प्यारे बच्चों ,

बाल कलाकारों के उत्कृष्ट क्रियाकलापों, रचनाओं, गतिविधियों को समर्पित "ToB बालमंच" का दीपावली विशेषांक प्रकाशित करते हुए हमें अपार हर्ष की अनुभूति हो रही है।

बच्चों , दीपावली अंधकार पर प्रकाश, बुराई पर अच्छाई और अज्ञान पर ज्ञान की आध्यात्मिक विजय का प्रतीक है। दिवाली की रोशनी हमारी सभी अंधेरी इच्छाओं और विचारों को नष्ट करने, अंधेरे छाया और बुराइयों को खत्म करने का समय दर्शाती है। दीपावली प्रकाश का प्रतीक है और तमस को दूर करता है।दीपावली हिंदुओं द्वारा मनाया जाता है। त्योहार के दिन लक्ष्मी माता को पूजा जाता है। लक्ष्मी माता प्रकाश, धन और सौंदर्य की देवी हैं। और आशा है कि आपकी कलाकारियां भी सुंदरता से भर जाए और आपकी मेहनत आपको खूब सफल बनाए।

यह अंक आपको कैसा लगा? आपके मन की बातों को आप ईमेल या व्हाट्सएप के माध्यम से अवश्य भेजें। हम इसे भी बालमन नामक स्थाई स्तंभ के रूप में प्रमुखता से प्रकाशित करेंगे ।

हमारे नन्हे-मुन्ने बच्चों तथा ToB बालमंच की उज्जवल भविष्य तथा दीपावली ढेर सारी शुभकामनाओं के साथ......

रूबी कुमारी

प्रधान संपादिका. ToB बालमंच

सम्पादकीय

नमस्कार बालमित्रों,

दीपावली का त्योहार कार्तिक मास के अमावस्या के दिन मनाया जाता है। यह त्योहार दुनिया भर के लोगों द्वारा बहुत उत्साह के साथ मनाया जाता है। हालांकि इसे हिंदू त्योहार माना जाता है, लेकिन विभिन्न समुदायों के लोग भी पटाखे और आतिशबाजी के जरिए इस उज्ज्वल त्योहार को मनाते हैं।

दीपावली त्योहार की तैयारियां कई दिनों पहले ही आरंभ हो जाती है। दीपावली के कई दिनों पहले से ही लोग अपने घरों की साफ-सफाई व रंगाई-पुताई करने में जुट जाते हैं क्योंकि ऐसी मान्यता है कि जो घर साफ-सुथरे होते हैं, उन घरों में दिवाली के दिन माँ लक्ष्मी विराजमान होती हैं तथा अपना आशिर्वाद प्रदान करके वहां सुख-समृद्धि में बढ़ोतरी करती हैं। दिवाली के नजदीक आते ही लोग अपने घरों को दीपक और तरह-तरह के लाइट्स से सजाना शुरू कर देते हैं।

दीपावली को "रोशनी का त्योहार - प्रकाश पर्व" कहा जाता है। इस दिन लोग मिट्टी के बने दीपक जलाते हैं और अपने घरों को विभिन्न रंगों और प्रकारों की रोशनी से सजाते हैं, जिसे देखकर कोई भी मंत्रमुग्ध हो सकता है। इस पर्व में बच्चों को पटाखे जलाना और विभिन्न तरह के आतिशबाजी जैसे फुलझड़ियां, रॉकेट, फव्वारे, चक्री आदि बहुत पसंद होते हैं। आपने हमें भी इस अवसर पर कई चित्र, कहानी और कविताएं भेजी है जिसे इस अंक में प्रकाशित किया जा रहा है।

आशा है दिपावली विशेषांक का ये अंक आपमें नई ऊर्जा का संचार करेगा |

ढेर सारी शुभकामनाएँ सहित.......

त्रिपुरारि राय
सम्पादक, 'ToB बालमंच',
सहायक शिक्षक, मध्य विद्यालय रौटी, महिषी (सहरसा)

सम्पादक मंडल

प्रधान संपादिका	:-	रूबी कुमारी, उ. म. वि. सरौनी, बौंसी (बाँका)
सम्पादक / ग्राफिक्स डिजाइनर	:-	त्रिपुरारि राय, म. वि. रौटी, महिषी (सहरसा)
सह-संपादिका	:-	ज्योति कुमारी, म.वि. भनरा, (बाँका)
प्रूफ रीडर	:-	विकास कुमार, म..वि.बलुआहा, महिषी (सहरसा)
सहयोगकर्ता	:-	1. मृत्युंजयम् , म.वि.नवाबगंज, समेली, (कटिहार) 2. रंजेश कुमार, प्रा. वि. छुरछुरिया, फारबिसगंज,(अररिया) 3. निधि चौधरी, नया प्रा.वि. सुहागी (किशनगंज)
संरक्षक	:-	1. शिव कुमार, संस्थापक- टीचर्स ऑफ़ बिहार 2. ई. शिवेंद्र प्रकाश सुमन, ToB तकनीकी टीम लीडर

-: स्थाई स्तंभ :-

1.	प्रधान सम्पादक की कलम से	14.	विद्यालयी क्रियाकलाप
2.	सम्पादकीय	15.	क्या आप जानते हैं ?
3.	आवरण कथा	16.	अंग्रेजी सीखें
4.	कविता	17.	ड्राइंग / पेंटिंग
5.	कहानी	18.	उभरते सितारे
6.	हँसो रे बाबू	19.	फोटो ऑफ़ द मंथ
7.	बूझो तो जानें	20.	हिंदी ज्ञान
8.	वैज्ञानिक कारण	21.	प्रमुख दिवसें
9.	कहानी बनाओ प्रतियोगिता	22.	प्रेरक प्रसंग
10.	अखबारों की नजर में हम	23.	रोचक तथ्य
11.	उभरते सितारे	24.	खेल-खेल में योग
12.	तकनीकी कोना	25.	तुम भी बनाओ.....
13.	बालमन	26.	आपकी बात आपकी जुबानी

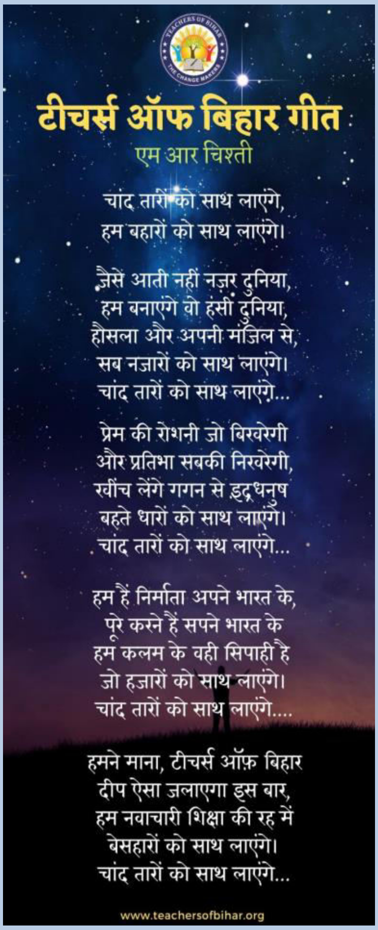

प्रेरक प्रसंग

एक साहूकार था जिसकी बेटी हमेशा पीपल के पेड़ पर पानी चढ़ाने जाती थी| जिस पेड़ पर पर वह पानी चढ़ाती थी उस पर माँ लक्ष्मी का निवास था| एक दिन लक्ष्मी जी ने साहूकार की बेटी से कहा की में तुम्हारी मित्र बनना चाहती हु इस पर साहूकार की बेटी ने कहा में अपने पिता से पूछकर बताउंगी|

लड़की ने अपने पिता को सारी बात बताई| तब साहूकार ने हाँ कह दिया | इस तरह माँ लक्ष्मी और साहूकार की बेटी की दोस्ती हो गई| एक दिन माँ लक्ष्मी ने साहूकार की बेटी को अपने घर पर बुलाया और उसका खूब स्वागत किया| उसे अच्छे से अच्छे व्यंजन परोसे| मेहमाननवाजी के बाद जब साहूकार की बेटी जाने लगी तो लक्ष्मी माँ ने कहा की मुझे अपने घर कब बुलओगी

साहूकार की बेटी ने माँ लक्ष्मी को अपने घर तो बुला लिया लेकिन उसे डर था की उसके घर की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं है, वो कैसे माँ लक्ष्मी की मेहमाननवाजी करेगी| जब यह बात साहूकार को पता चली तो उसने अपनी बेटी से कहा तुम फ़ौरन मिट्टी से चोका लगाकर साफ़-सफाई कर दे| चार बत्ती के मुख वाला दिया जला और लक्ष्मी जी का नाम लेकर बैठ जा|

शुभकामना संदेश

बालमंच बच्चों का एक ऐसा मंच है जहां बच्चों की प्रतिभा को स्थान मिलने के साथ-साथ प्रेरणा भी देता है। यह सीखने सिखाने का अद्भुत मंच है। बच्चे की नन्ही कूची से जो चित्र निकल कर सभी के पास पहुंचती है वो अद्भुत है। ToB बालमंच की प्रति देखकर मैं काफी प्रसन्न हुआ कि इसके पीछे की सोच काफी उन्नत है। इस नेक कार्य हेतु 'टीचर्स ऑफ़ बिहार' सहित 'ToB बालमंच' के टीम को मैं डाक्टर पल्लव भविष्य में और अच्छा करने के लिए शुभेच्छा देता हूँ ।

Dr.Pallav
State Consultant
UNICEF, Patna (Bihar)

FLN गतिविधि लिंक On TOB

1. https://fb.watch/pBDqYfnXrN/
2. https://fb.watch/pBDtCpJnoY/
3. https://www.facebook.com/reel/903519111174053
4. https://www.facebook.com/reel/1025134742121910
5. https://www.facebook.com/reel/1001938737590426
6. https://fb.watch/pBDPygsu8u/

उसी समय एक चील किसी रानी का नौलखा हार लेकर उसके पास दाल के चली गई| साहूकार की बेटी ने उसे बेचकर माँ लक्ष्मी के लिए अच्छा भोजन बनाया| माँ लक्ष्मी भगवान गणेश जी के साथ साहूकार के घर पधारी| साहूकार और उसकी बेटी ने उसका खूब स्वागत किया| इस खातिरदरी से प्रसन्न होकर माँ लक्ष्मी ने उन्हें आशीर्वाद दिया और साहूकार बहुत अमीर बन गया|

विकास कुमार
प्रधानाध्यापक
म.वि. बलुआहा, महिषी
(सहरसा)

कविता : दीवाली

चंचल वन में मनी दिवाली,
घनी अंधेरी रात थी काली।

चंपू चूहे ने दिमाग लड़ाया,
जुगनू की टोली बुलवाया।

जगमग जगमग जुगनू चमके,
खाई मिठाई सबने जमके।

किसी ने पटाखे नही चलाए,
फूलों से घर सबने सजाएं।

लोमड़ी रानी बनाई रंगोली,
खूब हुई फिर हँसी ठिठोली।

नही हुआ कोई शोर शराबा,
बिन पटाखे मनी दीवाली।

निधि चौधरी

कहानी बनाओ

दिए गए चित्र को देखें और उसपर एक सुन्दर सा कहानी लिख कर हमें भेजें | उत्कृष्ट कहानी को अगले अंक में छपा जाएगा | कहानी के साथ अपना नाम, कक्षा, विद्यालय का नाम अवश्य लिखें ||

बूझो तो जानें..

अंधेरे में बैठी है एक रानी, सिर पर है आग और तन में है पानी ।

उत्तर: **मोमबत्ती**

हंसो रे बाबू

पप्पू: कल मैंने एक रॉकेट छोड़ा तो सीधा सूरज से टकरा गया।
बंटी: फिर क्या हुआ?
पप्पू: फिर मेरी पिटाई हुई।
बंटी: किसने पीटा?
पप्पू: सूरज की मम्मी ने यार।

क्या आप जानते हैं ?

हम में से अधिकांश लोगों का मानना है कि हमें पेड़ों से ऑक्सीजन मिलती है लेकिन आपको शायद यह नहीं पता होगा कि पृथ्वी की आधी से अधिक ऑक्सीजन जो हम सांस लेते हैं वह महासागरों से आती है।विभिन्न वैज्ञानिकों का अनुमान है कि पृथ्वी का 50% - 80% ऑक्सीजन महासागरों द्वारा उत्पादित किया जाता है। इस उत्पादन का अधिकांश भाग पौधों पर आधारित समुद्री जीवों से होता है। महासागरीय प्लैंकटन, शैवाल, समुद्री शैवाल, और कुछ जीवाणु प्रकाश संश्लेषण कर सकते हैं और दुनिया के आधे से अधिक ऑक्सीजन का उत्पादन कर सकते हैं।

अंग्रेजी सीखें

Some Food Names

1. RISSOLE = समोसा
2. PIE = कचौड़ी
3. BUTTER MILK = छाछ
4. CRISPY SALTY = नमकीन
5. WATTER BALLS = पानीपुरी
6. FRITTERS = पकोड़ा
7. DRESSED FOOD = पकवान
8. CLARIFIED BUTTER = घी
9. WHEY = मट्ठा
10. FUNNEL CAKE = जलेबी
11. MIXED CURD = रायता

फोटो ऑफ़ द मंथ

कविता :

हार से तू ना डर

हार से तू ना डर,
हार को हथियार बना।
बैठ ना तू थक कर,
हर पल तू मेहनत कर।
गौरवो की गाथा सुनकर,
अपने अंदर जोश भर।
इरादों को बुलंद कर,
दुश्मनों को पस्त कर।
हार से तू ज़िद कर,
ज़िद से तू जीत कर।
ऐसा तू कुछ काम कर,
देश का तू नाम कर।

नाम- अक्स नाज़
कक्षा – 10, ठाकुरगंज

प्रमुख दिवसें

1 नवम्बर- विश्व शाकाहारी दिवस, सेना उड्डयन दिवस
5 नवम्बर- राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस
11 नवम्बर- राष्ट्रीय शिक्षा दिवस
12 नवम्बर- विश्व निमोनिया दिवस
14 नवम्बर- बाल दिवस, विश्व मधुमेह दिवस
15 नवम्बर- विश्व दर्शन दिवस
16 नवम्बर- राष्ट्रीय प्रेस दिवस, सहिष्णुता के लिए अंतर्राष्ट्रीय दिवस
17 नवम्बर- अंतर्राष्ट्रीय छात्र दिवस
18 नवम्बर- प्राकृतिक चिकित्सा दिवस, सड़क यातायात पीड़ितों के लिए विश्व दिवस की याद
19 नवम्बर- विश्व शौचालय दिवस, अंतर्राष्ट्रीय पुरुष दिवस
19 - 25 नवम्बर- कौमी एकता सप्ताह (राष्ट्रीय एकता सप्ताह)

20 नवम्ब- यूनिवर्सल चिल्ड्रन डे
21 नवम्बर- विश्व नमस्कार दिवस, विश्व मत्स्य दिवस, विश्व टेलीविजन दिवस
25 नवम्बर- महिलाओं के खिलाफ हिंसा के उन्मूलन के लिए अंतर्राष्ट्रीय दिवस
26 नवम्बर- संविधान दिवस / समविभाग दिवस, राष्ट्रीय दुग्ध दिवस

हिंदी ज्ञान: पर्यायवाची शब्द

पर्यायवाची शब्द वो शब्द हैं जिनके बोले जाने पर एक समान भाव होता हैं, निचे कुछ पर्यायवाची शब्द दिए गए हैं:-

- पत्थर-प्रस्तर, पाहन पाषाण, उपल।
- पानी— जल, वारि, नीर, तोय, सलिल, अंबु,
- आकाश — व्योम, शून्य, गगन, अम्बर, आसमान, अंतरिक्ष, नभ
- हवा — पवन, वायु, समीर, अनिल, वात, मरुत्, पवमान, बयार
- साँप — सर्प, नाग, विषधर, व्याल, भुजंग, उरग
- जंगल — वन, कानन, बीहड़, विटप, विपिन
- घर — गृह, सदन, आवास, आलय, गेह, निवास, निलय, मंदिर
- अमृत — सुधा, सोम, पीयूष, अमिय, जीवनोदक
- असुर — राक्षस, दैत्य, दानव, निशाचर, दनुज, यातुधान, निशिचर
- अग्नि — आग, अनल, पावक, वह्नि।
- अश्व — घोड़ा, हय, तुरंग, वाजी, घोटक, सैंधव।
- आकाश — गगन, नभ, आसमान, व्योम, अंबर, धौ, अंतरिक्ष
- आँख — नेत्र, दृग, नयन, लोचन, चक्षु, अक्षि, अंबक, दृष्टि

बालमन

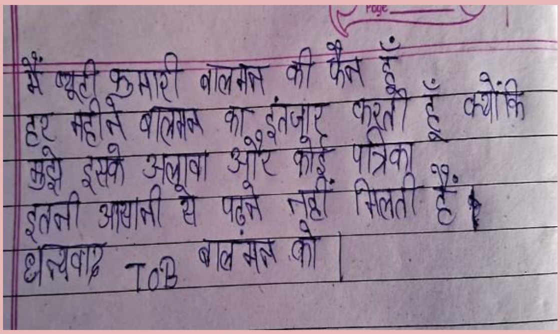

TEACHERS OF BIHAR

The change makers....

वैज्ञानिक कारण

बिना लार के खाने में स्वाद नहीं आता है, क्यों ?

विज्ञान में सबसे आश्चर्यजनक तथ्यों में से एक यह है कि हमें अपने भोजन का स्वाद लेने के लिए लार की आवश्यकता होती है। भोजन का स्वाद लेने के लिए, भोजन के रसायनों को लार में घुलना चाहिए। एक बार भोजन में रसायन घुल जाने के बाद, हमारे स्वाद कलियों में रिसेप्टर्स द्वारा उनका पता लगाया जा सकता है। इसलिए यदि हमें लार नहीं आएगा तो भोजन का स्वाद पता नहीं चलेगा।

-: प्रस्तुतकर्ता :-

त्रिपुरारि राय
मध्य विद्यालय रौटी, महिषी (सहरसा)

आओ योग सीखें.....

धनुरासन = धनुष + (आसन)

धनुरासन करने का तरीका:- पेट के बल लेटकर, पैरो मे नितंब जितना फासला रखें और दोनों हाथ शरीर के दोनों ओर सीधे रखें। घुटनों को मोड़ कर कमर के पास लाएँ और पैरों को हाथों से पकड़ें। श्वास भरते हुए छाती को ज़मीन से उपर उठाएँ और पैरों को कमर की ओर खींचें। चेहरे पर मुस्कान रखते हुए सामने देखिए। श्वास पर ध्यान रखे हुए, आसन में स्थिर रहें, अब आपका शरीर धनुष की तरह कसा हुआ है। लम्बी गहरी श्वास लेते हुए, आसन में विश्राम करें। सावधानी बरतें आसन आपकी क्षमता के अनुसार ही करें, जरूरत से ज्यादा शरीर को ना कसें। १५-२० सैकन्ड बाद, श्वास छोड़ते हुए, पैर और छाती को धीरे धीरे ज़मीन पर वापस लाएँ। पैरों को छोड़ेते हुए विश्राम करें।

धनुरासन के लाभ :- पीठ / रीढ़ की हड्डी और पेट के स्नायु को बल प्रदान करना। जननांग संतुलित रखना। छाती, गर्दन और कंधोँ की जकड़न दूर करना। हाथ और पेट के स्नायु को पुष्टि देना। रीढ़ की हड्डी क़ो लचीला बनाना। तनाव और थकान से निजाद। गुर्दे के कार्य में सुव्यवस्था।

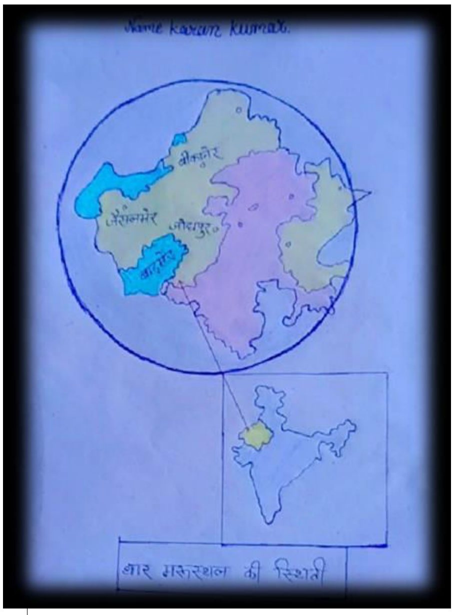

Karan Kumar, MS. Rauti, Mahishi, Saharsa

अखबारों के नजर में हम

दिनांक 14.11.2023

नई बात nayeebaatbgp@gmail.com

बांका

शिक्षा दिवस पर सम्मानित हुए टीचर्स ऑफ बिहार के टीम लीडर्स

नई बात, संवाददाता।

बाराहाट, बांका। प्रत्येक वर्ष राष्ट्रीय शिक्षा दिवस के अवसर पर शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार के द्वारा विशेष थीम निर्धारित किया जाता है। इस वर्ष भी शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार की ओर से एक विशेष थीम निर्धारित की गई है। इस वर्ष की थीम एम्ब्रेसिंग इनोवेशन है जो रचनात्मक और अद्वितीय शिक्षण विधियों को बढ़ावा देने के लिए नवीन दृष्टिकोण के महत्व पर जोर देता है। इसी उद्देश्य की पूर्ति हेतु निर्मित बिहार की सबसे बड़ी प्रोफेशनल लर्निंग कम्युनिटी टीचर्स आफ बिहार के द्वारा बिहार के विभिन्न जिले के शिक्षकों के द्वारा अपने-अपने विद्यालयों में आयोजित होने वाली नवाचारी गतिविधियों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कार्य करने वाले टीम लीडर्स, डिस्ट्रिक्ट मेंटर्स, ब्लॉक मेंटर्स एवं सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के मॉडरेटर्स को एनसीईआरटी नई दिल्ली की प्रोफेसर उषा शर्मा, प्रभारी, राष्ट्रीय साक्षरता केंद्र प्रकोष्ठ, प्रारंभिक शिक्षा विभाग, एससीईआरटी पटना की संयुक्त निदेशक डॉ. रश्मि प्रभा, प्रभारी, अकादमिक समन्वयक, भारतीय भाषा समिति, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार, चंदन श्रीवास्तव एवं टीचर्स ऑफ बिहार के फाउंडर शिव कुमार के संयुक्त हस्ताक्षर से निर्गत डिजिटल सर्टिफिकेट आजाद कंट्रीब्यूशन एक्सीलेंस अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। आजाद कंट्रीब्यूशन एक्सीलेंस अवॉर्ड की घोषणा टीचर्स ऑफ बिहार के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म फेसबुक पेज पर ऑनलाइन मोड में आयोजित समारोह के माध्यम से की गई। आजाद कंट्रीब्यूशन एक्सीलेंस अवॉर्ड से सम्मानित होने वाले शिक्षकों में बाराहाट से प्रधानाध्यापक उमाकांत कुमार, प्रोन्नत मध्य विद्यालय खड़ीहरा उर्दू (बालक), राघवेन्द्र कुमार झा, प्रधानाध्यापक, मध्य विद्यालय लखपुरा (बालक), बौंसी से शिक्षिका रूबी कुमारी, प्रोन्नत मध्य विद्यालय सरौनी एवं चांदन की शिक्षिका ज्योति कुमारी, मध्य विद्यालय भनरा का नाम शामिल है।

कार्यक्रम

- आजाद कंट्रीब्यूशन एक्सीलेंस अवॉर्ड की घोषणा सोशल मीडिया के माध्यम से की गई

शिक्षक किए गए सम्मानित।

शिक्षा दिवस पर सम्मानित हुए टीचर्स ऑफ बिहार के टीम लीडर्स

अमित कुमार

आजाद कंट्रीब्यूशन एक्सीलेंस अवॉर्ड से सम्मानित होने वाले शिक्षकों में सहरसा के त्रिपुरारि राय, डॉ राजीव कुमार सिंह, अनू कुमारी, पुनिता कुमारी एवं दीप्ती अंशु के नाम शामिल हैं। शिक्षा के क्षेत्र में योगदान को देखते हुए भारत के पहले शिक्षा मंत्री मौलाना अबुल कलाम आजाद के जन्मदिन की स्मृति में राष्ट्रीय शिक्षा दिवस मनाया जाता है। प्रत्येक वर्ष राष्ट्रीय शिक्षा दिवस के अवसर पर शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार के द्वारा विशेष थीम निर्धारित किया जाता है। इस वर्ष भी शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार की ओर से एक विशेष थीम निर्धारित की गई है। इस वर्ष की थीम एम्ब्रेसिंग इनोवेशन है जो रचनात्मक और अद्वितीय शिक्षण विधियों को बढ़ावा देने के लिए नवीन दृष्टिकोण के महत्व पर जोर देता है। इसी उद्देश्य की पूर्ति हेतु निर्मित बिहार की सबसे बड़ी प्रोफेशनल लर्निंग कम्युनिटी टीचर्स आफ बिहार के द्वारा बिहार के विभिन्न जिले के शिक्षकों के द्वारा अपने-अपने विद्यालयों में आयोजित होने वाली नवाचारी गतिविधियों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कार्य करने वाले टीम लीडर्स, डिस्ट्रिक्ट मेंटर्स, ब्लॉक मेंटर्स एवं सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के मॉडरेटर्स को एनसीईआरटी नई दिल्ली की प्रोफेसर उषा शर्मा, प्रभारी, राष्ट्रीय साक्षरता केंद्र प्रकोष्ठ, प्रारंभिक शिक्षा विभाग, एससीईआरटी पटना की संयुक्त निदेशक (डायट) डॉ. रश्मि प्रभा, प्रभारी, अकादमिक समन्वयक, भारतीय भाषा समिति, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार, चंदन श्रीवास्तव एवं टीचर्स ऑफ बिहार के फाउंडर शिव कुमार के संयुक्त हस्ताक्षर से निर्गत डिजिटल सर्टिफिकेट आजाद कंट्रीब्यूशन एक्सीलेंस अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। जानकारी हो कि आजाद कंट्रीब्यूशन एक्सीलेंस अवॉर्ड की घोषणा टीचर्स ऑफ बिहार के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म फेसबुक पेज पर ऑनलाइन मोड में आयोजित समारोह के माध्यम से की गई।

जिले के तीन शिक्षक किये गये सम्मानित

हाजीपुर. अपने-अपने विद्यालयों में आयोजित होने वाली नवाचारी गतिविधियों को बढ़ावा देने का कार्य करने वाले टीम लीडर्स, जिला मेंटर्स, ब्लॉक मेंटर्स एवं सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के मॉडरेटर्स को एनसीईआरटी नई दिल्ली की ओर से आजाद कंट्रीब्यूशन एक्सीलेंस अवॉर्ड से सम्मानित किया गया. राष्ट्रीय साक्षरता केंद्र प्रभारी प्रो उषा शर्मा, प्रारंभिक शिक्षा विभाग, एससीईआरटी पटना की संयुक्त निदेशक डॉ रश्मि प्रभा, अकादमिक समन्वयक भारतीय भाषा समिति चंदन श्रीवास्तव एवं टीचर्स ऑफ बिहार के फाउंडर शिव कुमार के संयुक्त हस्ताक्षर से निर्गत डिजिटल सर्टिफिकेट सभी शिक्षकों को दिया गया. यह जानकारी टीचर्स ऑफ बिहार के जिला मेंटर रितेश कुमार रिंकू ने दी. उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय शिक्षा दिवस और आजाद भारत के प्रथम शिक्षा मंत्री अबुल कलाम आजाद के जन्मदिन के अवसर पर जिले के तीन शिक्षकों को आजाद कंट्रीब्यूशन एक्सीलेंस अवॉर्ड का सम्मान मिला. जिसमें चांद सराय विद्यालय के शिक्षक व जिला मेंटर्स रितेश कुमार रिंकू, भगवानपुर के मृदुला भारती और चेहराकलां के नसीम अख्तर को यह सम्मान मिला. बताया कि भारत सरकार प्रत्येक वर्ष राष्ट्रीय शिक्षा दिवस पर अलग-अलग थीम निर्धारित करती है. इस वर्ष एम्ब्रेसिंग इनोवेशन का थीम निर्धारित किया गया था.

सम्मान प्राप्त करते शिक्षक.

अंकित कुमार,क्लास 9, उत्क्रमित उच्च माध्यमिक विद्यालय रजवा ताजपुर समस्तीपुर

सपना सहनी, वर्ग-सात, उत्क्रमित मध्य विद्यालय चाँपी, को ढ़ा, कटिहार

स्नेहा कुमारी, वर्ग-सात, उत्क्रमित मध्य विद्यालय चाँपी, कोढ़ा, कटिहार

तुम भी बनाओ. . . . .

क्लास 4 ,रोशनी कुमारी
प्रा0 वि0 प्रखंड कॉलोनी फुलवारी शरीफ पटना

अमरजीत कुमार,क्लास 9, उत्क्रमित उच्च माध्यमिक विद्यालय रजवा ताजपुर समस्तीपुर

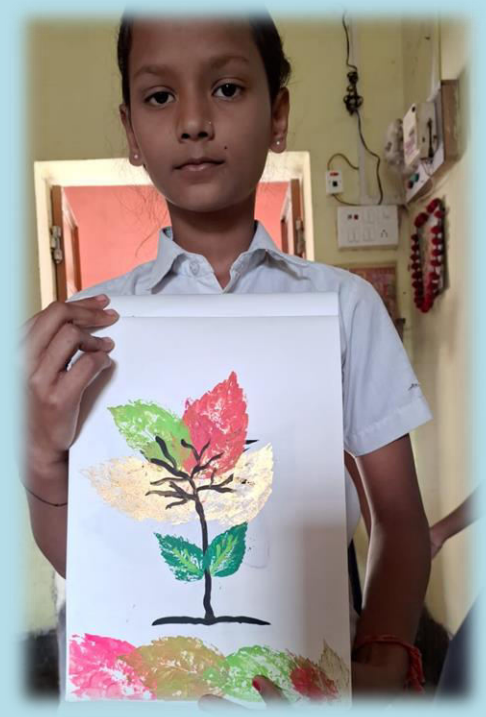

U.m.s.Bhaisdira, Barari

कहानी, सीमा की दीपावली

एक बार की बात है। दो बहने थीं जो रामपुर गाँव मे रहती थी। बड़ी बहन का नाम सनाया और छोटी बहुत का नाम सीमा। सीमा बहुत ही चंचल और नटखट थी जबकि इसके विपरीत सनाया बहुत समझदार थी। एक दिन की बात है। उनके पिता ने दोनो को बुलाया और कहा, कुछ आज शाम को मे तुमदोनो को नए कपड़े दिलाने और दीपावली की खरीददारी करने ले जाऊँगा। अभी तुम दोनों स्कूल के लिए तैयार हो जाओ। आज स्कूल में टीचर ने दीपावली के बारे में बताया और यह भी कहा कि बच्चों दीपावली रौशनी का त्योहार है इसे हमे सुरक्षित मनाना चाहिए। दीपावली पर हमें कम से कम पटाखे फोड़ने चाहिए। इससे प्रदूषण फैलता है। और जानलेवा बीमारियां होती है। बच्चों को हमेसा बड़ों के साथ ही पटाखे चलाने चाहिए। उस वक्त हमें ध्यान रखना चाहिए कि हम सूती कपड़े पहने। फैंसी कपड़ों के जलते कई बार हम अपने बच्चों को दिवाली के मौके पर खराब क्वालिटी के कपड़े पहना देते हैं। इस तरह के कपड़ों में आग काफी ज्यादा पकड़ती है। इसलिए कोशिश करें कि दिवाली के दौरान बच्चों को कॉटन के कपड़े ही पहनाएं। साथ ही उन्हें ऐसे कपड़े दें, जो उनके शरीर को अच्छी तरह से ढक सके।

पटाखे जलाते समय सावधानी रखनी चाहिए जो मैं आगे बता रहा हूँ| पटाखे जलाने वाले स्थान पर पानी की एक बाल्टी और रेत साथ रखें| पटाखे जलाते समय सिंथेटिक और नायलॉन के कपड़े न पहनें| पटाखे जलाते समय यदि आग लग गई हो और वह बढ़ती जा रही हो तो रेत डालकर आग बुझाएं| कभी भी फटने वाले पटाखों को हाथ में पकड़ कर आग न लगाएं | सनाया ने टीचर की सारी बातें ध्यान से सुनी। लेकिन सीमा को यह सब बकवास लग रहा था। स्कूल की छुट्टी हुई दोनो बहने घर आती हैं।

दोनो बहने बहुत खुश थीं। शाम को दोनो अपने पिता के साथ बाजार गई। वहा पर समाया ने सुती कपड़े लिए पर सीमा ने डिजाइनर गउन लिया। पापा ने उसे मना भी किया । पापा : बेटा दीपावली में ऐस कपड़े पहनना ठीक नहीं। सीमा : नही पापा मुझे यही चाहिए। मैं ध्यान रखूंगी अपनी ड्रेस का। अपने पिता की बात भी सीमा नही मानी। दीपावली का दिन भी आ गया। बच्चे बहुत खुश थे। सीमा और सनाया ने भी नए कपड़े पहन लिए। पापा : तुम दोनो को मेरे साथ पटाखे चलाने है। मैं बाहर दिए देख कर आता हूँ। लेकिन सीमा को तनिक भी धैर्य कहाँ छुप कर पटाखे चलाने चली गई । सनाया ने सीमा को देख लिया फिर क्या था चुपचाप उसके पीछे चल पड़ी। टीचर के बताए अनुसार थोड़ी दूर पर उसने बाल्टी में पानी भी भर लिया। सीमा ने खूब पटाखे छोड़े। सीमा बहुत खुश थी। अचानक पटाखे की चिंगारी सीमा के गाउन में अटक गई और आग उसकी फ्रॉक में लग गई। आग देख कर उसके मुँह से तो आवाज़ ही न निकला। इसी बीच सनाया बचाओ बचाओ पापा कहते कहते बगल में पड़ी बाल्टी का सारा पानी सीमा पर डाल देती है और आग बुझ जाती है। चीखें सुन पापा वहा आए और बोले अगर तुम मेरी बात मान लेती तो ऐसा नहीं होता। अपने चंचल स्वभाव और बड़ो की बातों पर ध्यान नहीं देने का बहुत दुख हुआ सीमा को। और वह सनाया को लिपट कर रोने लगी। और अपने पिता से क्षमा भी मांगी। सीमा : सॉरी पापा अब मैं हमेसा बड़ों की बात मानूँगी और कभी शरारत नहीं करूंगी।

संस्कृति चौधरी, कक्षा 4, P.S.SUHAGI, KISHANGANJ

दीपावली

आया दीपो का त्योहार हमारा
मां लक्ष्मी की आराधना करना है खरा
बुराई चाहे बलवान हो
बुद्धिमान रावण की तरह
मिटा देते है उसका नामो निशान
अवतार राम हमारा
खुशियां और उल्लास से भरा
दियो से भरा है घर सारा
प्रकाश मिटा देता है अंधियारा
करते है सब का सम्मान हम उपहार के द्वारा
बच्चो तुम रखना ध्यान अपना जरा आतिशबाजी
करते वक्त लेना बड़ों का सहारा गिले शिकवे सब
मिटाए जरा
आओ मिलकर मनाए दीपावली त्योहार हमारा

नाम - अक्स नाज़, कक्षा- 10, ठाकुरगंज

सीमा कुमारी, क्लास 10, उत्क्रमित उच्च माध्यमिक विद्यालय रजवा ताजपुर समस्तीपुर

सभी चित्र प्रा0 वि0 प्रखंड कॉलोनी फुलवारी शरीफ, (पटना)

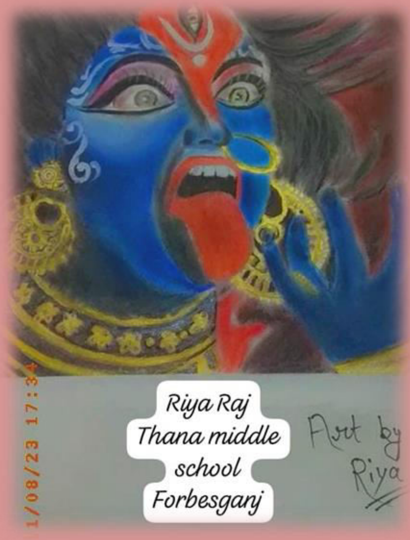

चंदा कुमारी,मध्य विद्यालय भनरा,चांदन, बांका

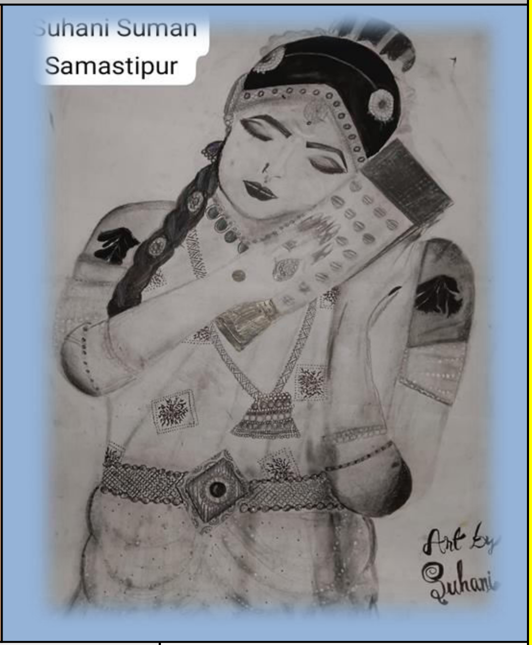

आपकी बात आपकी जुबानी

बच्चों आपको TOB बालमंच का ये अंक कैसा लगा? हमें अवश्य बताएं | आप हमें नीचे दी गए किसी भी माध्यम ईमेल या व्हाट्सअप द्वारा सूचित कर सकते हैं |

email- balmanch.teachersofbihar@gmail.com

Whatsapp: 8877318781
(Tripurari Roy)

धन्यवाद

अक्तूबर 2023

प्रमाण पत्र संख्या
ToB/Bal/2023/21

ToB उभरते सितारे

बालमंच
नन्हीं कलम से

प्रशस्ति पत्र

रीति त्रिवेदी
मुंबई

को टीचर्स ऑफ बिहार के 'बालमंच- नन्हीं कलम से' ऑनलाइन ई-मैगजीन में उनके सहयोग, समर्पण एवं 'पेंटिंग' के लिए 'ToB उभरते सितारे' के रूप में चयनित किया जाता है।

भविष्य के लिए असीम शुभकामनायें।

रूबी कुमारी, प्रधान संपादिका,बालमंच
त्रिपुरारि राय, संपादक एवं क्रिएटिव डिजाइनर, बालमंच
शिव कुमार, संस्थापक

www.teachersofbihar.org

उभरते सितारे

जिनको भी प्रशस्ति-पत्र मिल रहा है उनका लिस्ट इस लिंक पर उपलब्ध है:-
https://www.teachersofbihar.org/award

अक्तूबर 2023

प्रमाण पत्र संख्या
ToB/Bal/2023/01

ToB उभरते सितारे

बालमंच
नन्हीं कलम से

प्रशस्ति पत्र

संस्कृति चौधरी
किशनगंज, बिहार

को टीचर्स ऑफ बिहार के 'बालमंच- नन्हीं कलम से' ऑनलाइन ई-मैगजीन में उनके सहयोग, समर्पण एवं 'कहानी' के लिए 'ToB उभरते सितारे' के रूप में चयनित किया जाता है।

भविष्य के लिए असीम शुभकामनायें।

रूबी कुमारी, प्रधान संपादिका,बालमंच
त्रिपुरारि राय, संपादक एवं क्रिएटिव डिजाइनर, बालमंच
शिव कुमार, संस्थापक

www.teachersofbihar.org

THANKS FOR A VIEW